Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In February 2017

जीजेयू के मैदानों में रात को होगी दूधिया रोशनी

हॉस्टल में लगाया जाएगा हाई क्लास फर्नीचर, हाइजीनिंग किचन का भी होगा काम

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में नई बिल्डिंगें निर्माणाधीन हैं। मगर हॉल में बने हुए ग्रांउड और बिल्डिंगों में हाई क्लास सुविधा देने के लिए कई तरह के बदलाव किए जा रहे हैं। इसमें खेल ग्रांउड से लेकर ब्वायज और गर्ल्स हॉस्टल का कायाकल्प बदला जाएगा। इसमें वॉलीबाल ग्रांउड में हाई लक्स लेवल की लाइटें लगाई जा गई हैं। इनकी दुधिया रोशनी में रात के वक्त भी मैच खेले जा सकेंगे।

इसके अलावा शूटिंग रेंज व नई जिम बनाई जा रही है। वहीं ब्वॉयज हॉस्टल -4 में फर्नीचर खरीदा गया है। इसमें बेड और टेबल कुर्सी हैं तो वहीं हाइजीनिंग किचन के लिए मशीनें आ चुकी है। इसमें आटा गुथने से लेकर रोटी बनाने का काम मशीन के द्वारा ही किया जाएगा। वहीं गर्ल्स हॉस्टल-4 में बने साइबर कैफे में पहले व्यवस्था न होने से छात्राएं पढ़ाई नहीं कर पाती थी। मगर अब यहां के लिए भी फर्नीचर का सामान खरीदा गया है। दोनों ही जगहों पर हाई क्लास सुविधा दिए जाने के साथ-साथ अब पुराने हॉस्टलों में भी व्यवस्था में सुधार करने की बात भी कही जा रही है।

1024 लाइन की टेलीफोन एक्सचेंज अपडेट

करीब 20 साल पहले बनी जीजेयू में बनाई गई टेलीफोन एक्सचेंज भी अपडेट की जा रही है। इसमें 500 लाइन की एक्सचेंज को अब 1024 लाइन की एक्सचेंज बनाया जा रहा है। साथ ही लाइन को इस तरह से इंटर कनेक्ट किया गया है कि बात करने के दौरान किसी तरह की दिक्कत नहीं होगी। साथ ही इसका सीधा फायदा स्टूडेंट्स को भी होगा। प्रत्येक विभाग और हॉस्टल में हेल्पलाइन नंबर दिया गया है। जिस पर फोन करके स्टूडेंट्स अपनी समस्या सामने रख सकते हैं।

सुविधाएं मिलने से होगा कई तरह का फायदा

रूसा के तहत मिले करीब 20 करोड़ के बजट में हरेक विभाग में सुविधाएं दी जा रही हैं। इसमें आधुनिक फर्नीचर और खेल विभाग के लिए विशेष सुविधा से स्टूडेंट्स को कई तरह का फायदा मिल सकेगा। विद्यार्थियों को धीरे-धीरे करके कई अन्य तरह के लाभ भी दिये जाएंगे।"

प्रोफेसर नीरज दिलबागी, एवं रूसा प्रोजेक्ट इंचार्ज।

दैनिक भास्कर - 3/2/17

देखभाल एनीमल हाउस होगा अपडेट, चूहों के लिए बेहतर होंगी सुविधाएं, बिजली गुल होने पर अब नहीं जाएगी जीवों की जान

जीजेयू में नाजों से रखे जाएंगे रिसर्च के 'नन्हे उस्ताद'

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में शोध कार्य के लिए लाए जाने वाले नन्हें उस्ताद यानि रैट और माउस की समय से पहले मौत नहीं होगी। एनिमल हाउस में अब उनके लिए वह सारी व्यवस्था की जाएंगी, जिनकी इनके विकसित होने के लिए जरूरत होगी।

सात लाख रुपए का जनरेटर लगाया, एयर कंडीशनर भी खरीदे

जीजेयू में लाखों रुपए खर्च करके एनीमल हाउस में एयर कंडीशनर खरीदे गए हैं तो वहीं साथ ही सात लाख रुपए का जनरेटर भी लगाया गया है। ऐसे में अब न बिजली सप्लाई जाने का खतरा होगा तो न ही टैंपरेचर मेंटेन होने की दिक्कत झेलनी पड़ेगा। साथ ही इन खास जीवों के नहलाने और रखरखाव के लिए भी खास इंतजाम किए गए हैं। खाना भी अच्छी क्वालिटी का होगा तो काम करने के लिए इंस्ट्रूमेंट भी नए खरीदे जाएंगे। ऐसे में जीवों की संबंधी अब कोई परेशानी आड़े नहीं आएगी।

एनीमल हाउस इंचार्ज डॉ. दिनेश ढींगड़ा ने बताया कि रूसा के तहत इस हाउस में काम किया जाएगा। वहीं किसी भी तरह की लापरवाही जीवों के लिए भारी पड़ जाती है। इनकी संभाल बड़ी सावधानी से की जाती है। इन्हें फीडिंग करवाने के लिए कर्मचारियों को एहतियात बरतनी पड़ती है। क्योंकि संक्रमण फैलने का खतरा बना रहता है।

बिजली चले जाने से 200 चूहों की हो गई थी मौत

बात दें कि एनीमल हाउस में करीब पांच महीने पहले बिजली चले जाने से करीब 200 चूहों की मौत हो गई थी। रिसर्च कार्य से पहले ही चूहों की आकस्मिक मौत होने के कारण यह विषय बेहद चर्चा में रहा। साथ ही जीव सुरक्षा कानून के तहत भी यह विषय विवादास्पद था। जीजेयू प्रशासन ने कहा था कि बिजली चले जाने से टैंपरेचर मेंटेन नहीं हो पाने के कारण यह हादसा हुआ है। ऐसे में इस विषय को गंभीरता को भांपते हुए जीजेयू प्रशासन ने गर्मियों में चूहों को विशेष व्यवस्था की है।

एनीमल हाउस और जीव इसलिए खास

एनिमल हाउस में लेबोरेट्री बनाई जाती है। इसमें वैसे तो मेंढक, खरगोश और कई किस्म के चूहे रखे जाने होते हैं। इन सबका कई स्ट्रीम के शोध में ड्रग परीक्षण के लिए जीवों का प्रयोग किया जाता है। शोध के आधार पर ही पता लगाया जा सकता है कि किसी बीमारी की दवा मनुष्यों पर किस तरह से असर करेगी। भारत सरकार की सीपीसीएसईए कमेटी के सुपरविजन में एनिमल हाउस को स्थापित किया जाता है। साथ ही इसके लिए पीसीआई और एआईसीटीई की स्वीकृति भी जरूरी होती है। जीजेयू के एनिमल हाउस में स्विस माइस, विस्टर रैट को रखा गया है।

शोध कार्य और जीवों की देखभाल में फायदा

शोध कार्य के लिए जीव बेहद खास है, इनकी मौत समय से पहले होना सही नहीं है। ऐसे में अब हाई क्लास व्यवस्था होने से शोध कार्य करने और जीवों की देखभाल दोनों में ही फायदा होगा। जनरेटर लगने से और तापमान मेंटेन होने से दिक्कत नहीं होगी।

प्रो. दिनेश ढींगड़ा, इंचार्ज, एनिमल हाउस, जीजेयू।

दैनिक भास्कर - 4/2/17

प्रो. बास्कर को अनुभागीय समिति का सदस्य चुना

आज समाज नेटवर्क

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. आर. बास्कर को भारतीय विज्ञान कांग्रेस के 105वें सत्र 2017-2018 के लिए पृथ्वी प्रणाली विज्ञान की धारा की अनुभागीय समिति का सदस्य चुना गया है। इस संदर्भ में भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एक व्यावसायिक संस्था भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था, कोलकाता द्वारा सूचित कर दिया गया है। पृथ्वी प्रणाली विज्ञान की धारा की अनुभागीय समिति का उद्देश्य भारत में विज्ञान को बढ़ावा देना है तथा इसके द्वारा प्रतिवर्ष भारत में एक उपयुक्त स्थान पर सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने प्रो. आर.बास्कर को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। प्रो. बास्कर पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने वाले देश के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों में से एक हैं। खासकर केव जियोमाइक्रोबायोलाजी के क्षेत्र में किया गया इनका कार्य अंतरराष्ट्रीय स्तर की पहचान रखता है। इनके कई शोध पत्र राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय जरनल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त वे कई विश्वविद्यालयों तथा उच्चस्तरीय सरकारी संस्थाओं के लिए विशेषज्ञ तथा परीक्षक के रूप में भी अपनी सेवाएं उपलब्ध करवा चुके हैं।

उनका मानना है कि वैज्ञानिक खोजों का फायदा आम आदमी तक पहुंचना चाहिए। वे इन्वायर्नमेंटल मैनेजमेंट नीदरलैंडस तथा ऐसोसिएशन ऑफ जियोसाईंटिस्टस फॉर इंटरनेशनल डेवल्पमेंट के सदस्य भी हैं। वे इंटरनेशनल जियोसाईंस ऐजुकेशन ओरग्राइजेशन के भारत में डिप्टी काऊंसिल मैम्बर भी हैं। वे भारत के भूविज्ञान मंत्रालय के मौसम परिवंतन कार्यक्रम के प्रोग्राम एडवाईजरी तथा मोनीटरिंग कमेटी के सदस्य भी हैं। वे भारत के सोसायटी फॉर प्रोमोशन ऑफ साईंस एंड टेक्नेलॉजी के आजीवन सदस्य भी हैं तथा इस संस्था के हिसार के क्षेत्रीय संयोजक हैं।

आज समाज - 5/2/17

डिवीजन या स्कोर सुधार के लिए गुजवि ने दिया विद्यार्थियों को मौका

हिसार. गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार ने प्रदेश के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य पर विश्वविद्यालय के नियमित विद्यार्थियों को डिवीजन या स्कोर सुधार के लिए एक विशेष मौका दिया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि 1996 सत्र से यूजी व पीजी पाठ्यक्रमों के नियमित विद्यार्थी (विषम और सम सेमेस्टर या वार्षिक योजना), जो अपना डिवीजन व स्कोर में सुधार करना चाहते हैं, ऐसे विद्यार्थी प्रत्येक सेमेस्टर या वार्षिक योजना के लिए 10 हजार रूपए का शुल्क का भुगतान करके विशेष परीक्षा में भाग ले सकते हैं। इस परीक्षा का आयोजन वर्तमान पाठ्यक्रम के अनुसार मई व जून 2017 में आयोजित किया जाएगा। जो विद्यार्थी विषम, सम सेमेस्टर या वार्षिक योजना की परीक्षा में शामिल होना चाहते हैं ऐसे विद्यार्थी अपना परीक्षा फार्म 10 मार्च तक जमा करवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त पहले से पंजीकृत शोधार्थी जो कि अधिकतम निर्धारित अवधि में अपना शोध कार्य पूरा नहीं कर सके, वे अपना शोध कार्य पूरा करने के लिए एक वर्ष का विशेष विस्तार ले सकते हैं।

नभदोर - 7/2/17

आध्यात्मिक शक्ति से मन मैनेज हो सकता है'

'व्यापार एवं प्रबंधन' राष्ट्रीय कॉफ्रेंस में बोले वक्ता

हिसार, 8 फरवरी (का.प्र.): हिमाचल प्रदेश विवि, शिमला के कुलपति प्रो. ए.डी.एन. वाजपेयी ने कहा है कि मन को मैनेज करने से आस-पास की सब चीजें मैनेज हो जाती हैं। आध्यात्मिक शक्ति से मन को मैनेज किया जा सकता है।

प्रो. ए.डी.एन. वाजपेयी गुजवि के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनैस के सौजन्य से 'व्यापार एवं प्रबंधन' विषय पर शुरू हुई 2 दिवसीय राष्ट्रीय कान्फ्रैंस को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। विवि चौधरी रणबीर सिंह सभागार में शुरू हुई इस कान्फ्रैंस के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। आई.आई.एम. अहमदाबाद के प्रो. प्रद्युमन खोखले बतौर मुख्य वक्ता तथा एम.एस.एम.ई., नई दिल्ली के सहायक निदेशक डा. के.के. गौयल सम्मेलन में बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। विवि कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर, हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनैस के अधिष्ठाता प्रो एन.एस. मलिक, निदेशिका प्रो. ऊषा अरोड़ा, कान्फ्रैंस की संयोजिकाएं डा. अंजु वर्मा व डा. श्वेता सिंह भी मुख्य रूप से उपस्थित रही। कुलपति प्रो. ए.डी.एन. वाजपेयी ने कहा कि रोजगार की सरंचना अर्थव्यवस्था व उद्योग जगत के सामने एक बहुत बड़ा मुद्दा है ताकि देश के युवाओं को निरंतर तौर पर रोजगार मिलते रहें। विमुद्रीकरण से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी व भारत के इस कदम की विश्व समुदाय ने सराहना की है।

कान्फ्रैंस का उद्घाटन करते प्रो. ए.डी.एन. वाजपेयी, साथ में हैं विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं अन्य।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज का बाजार प्रतिस्पर्धा से भरा हुआ है व हररोज नई से नई तकनीकों की खोज हो रही है। गलोबलाईजेशन की वजह से विश्व में बहुत सारे परिवर्तन हुए है। टैक्नोलॉजी की सहायता से व्यापार करने के तरीके बदल रहे हैं और युवा उपभोक्ता बड़ी मात्रा में टैक्नोलॉजी की मदद से अपनी जरूरत की चीजों को खरीद रहे है।

मुख्य वक्ता आई.आई.एम. अहमदाबाद प्रो. प्रद्युमन खोखले ने कहा कि ग्लोबलाइजेशन, प्राइवेटाइजेशन व लिबिराइजेशन की वजह से उद्योग जगत की उम्मीदें परिवर्तित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत को ऐसे व्यक्तियों की जरूरत है जो बहुविकल्पीय कार्यों को करने में सक्षम हो। राष्ट्रीय सम्मेलन में 20 तकनीकी सत्र होंगे।

पंजाब केसरी हिसार - 9/2/17

नासा सहित सभी संस्थाएं भारतीयों के ज्ञान से संचालित : वाजपेयी

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला के कुलपति प्रो. एडीएन वाजपेयी ने कहा है कि मन को मैनेज करने से आस-पास की सब चीजें मैनेज हो जाती हैं। आध्यात्मिक शक्ति से मन को मैनेज किया जा सकता है। बेशक आज दुनिया की प्रथम 200 शिक्षण संस्थाओं में भारत की कोई शिक्षण संस्था शामिल नहीं है। इसके बावजूद यह सत्य है कि नासा सहित दुनिया की तमाम प्रसिद्ध शिक्षण संस्थाएं भारतीयों के ज्ञान से ही चल रही हैं।

प्रो. एडीएन वाजपेयी बुधवार को जीजेयू में हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के सौजन्य से 'व्यापार एवं प्रबंधन' विषय पर शुरू हुई दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में डॉ. सुशीला सोरया व प्रो. कर्मपाल नरवाल द्वारा संयुक्त रूप से लिखित पुस्तक 'इंटलैक्चुअल केपिटल एंड बिजनेस परफॉरमैंस : एन इम्पीरिकल इंवेस्टीगेशन' व प्रो. ऊषा अरोड़ा, डॉ. अंजु वर्मा व डॉ. श्वेता सिंह द्वारा संपादित पुस्तक 'मैनेजमैंट इनसाइट : ए ग्लीम्स ऑफ कंटमपरेरी रिसर्च' का विमोचन भी किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भी विचार रखे। मुख्य वक्ता आईआईएम अहमदाबाद के प्रो. पद्मूमन खोकले ने चिंता जताई कि भारत की आर्थिक तरक्की व भारतीय प्रबंधन से संबंधित शोध में अंतर है। अधिष्ठाता प्रो एन.एस. मलिक ने कहा कि राष्ट्रीय संमेलन में 20 तकनीकी सत्र होंगे। निदेशिका प्रो. ऊषा अरोड़ा व संमेलन की संयोजिकाएं डॉ. अंजु वर्मा व डॉ. श्वेता सिंह ने बताया कि दो दिवसीय राष्ट्रीय संमेलन में कई विशेषज्ञ भाग लेंगे।

हिसार। जीजेयू में कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि।

अमर उजाला - 9/2/17

खास खबर जयदेव की देशभर में 259वीं रैंक, अब देश के किसी भी विश्वविद्यालय में बिना एंट्रेस एग्जाम एमफार्मा में ले सकेंगे दाखिला

जीजेयू के सात विद्यार्थियों ने क्वालीफाई किया जी-पैट

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन द्वारा आयोजित जी-पैट की परीक्षा में जीजेयू के सात विद्यार्थियों ने ऑल इंडिया रैंक हासिल कर परीक्षा में क्वालीफाई किया है।

दो वर्षों के बाद विश्वविद्यालय का कोई विद्यार्थी इस परीक्षा को क्वालीफाई कर पाया है। विश्वविद्यालय के बीफार्मा फाइनल ईयर के छात्र जयदेव ने देशभर में 259वीं रैंक हासिल की है। इससे पहले 2014 में कुछ विद्यार्थी सी-पैट की परीक्षा क्वालीफाई कर पाए थे।

आईसीटीई द्वारा हर वर्ष जी-पैट यानी ग्रेजुएट फार्मेसी एप्टीट्यूड टेस्ट आयोजित किया जाता है। इस बार 28 जनवरी को आयोजित की गई परीक्षा में हर बार की तरह लाखों विद्यार्थियों ने यह परीक्षा दी थी।

मंगलवार रात को आए रिजल्ट में विश्वविद्यालय के बीफार्मा के छात्र जयदेव ने 259वीं, दीपक ने 620वीं, चैतन्य ने 1020वीं रैंक हासिल की है। इनके अलावा अर्पित, प्रदीप, उमेश, प्रवीन ने भी परीक्षा में क्वालीफाई किया है।

विद्यार्थियों ने बताया कि इस परीक्षा के लिए उन्होंने कोई अलग से कोचिंग नहीं ली थी। केवल कक्षा में अध्यापकों द्वारा पढ़ाने के बाद गहन अध्ययन कर उन्होंने यह सफलता हासिल की है। अब ये विद्यार्थी देश के किसी भी विश्वविद्यालय में बिना एंट्रेस एग्जाम दिए एमफार्मा में दाखिला ले सकेंगे। वहीं इन विद्यार्थियों को आईसीटीई द्वारा 12 हजार रुपये प्रति महीना स्कॉलरशिप भी दी जाएगी।

विभाग को सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी मिलने का होगा फायदा

पिछले दो वर्षों से विश्वविद्यालय का बीफार्मा का कोई विद्यार्थी इस परीक्षा को क्वालीफाई नहीं कर पाया था। जब एमफार्मा में दाखिला होता था तो परीक्षा पास किए हुए बाहर के बच्चे दाखिला ले लेते थे और विश्वविद्यालय से बीफार्मा कर चुके विद्यार्थी वंचित रह जाते थे। इससे दूसरा फायदा ये होगा कि विभाग को श्रेष्ठ विद्यार्थी मिलेंगे।

विद्यार्थियों ने इसकी सूचना दी थी। यह बहुत खुशी की बात है। हमारे बच्चों ने कड़ी मेहनत कर अच्छी रैंक पाई है। विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप मिलेगी और विवि में एमफार्मा में दाखिले के लिए एंट्रेस भी नहीं देना होगा। इससे विवि को भी फायदा होगा।

- डॉ. डीसी भट्ट, चेयरपर्सन, फार्मा साइंस विभाग, जीजेयू हिसार

अमर उजाला - 9/2/17

प्रशांत और बिट्टू अगले दौर में पहुंचे

जीजेयू में दो दिवसीय जिला स्तरीय लॉन टेनिस प्रतियोगिता शुरू, 60 खिलाड़ी ले रहे हैं भाग

जागरण संवाददाता, हिसार : टेनिस में प्रतिभाओं को खोजने के लिए जिला स्तरीय टेनिस टूर्नामेंट शुरू हो गया। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के लॉन टेनिस कोर्ट में शुरू हुई प्रतियोगिता के पहले दिन पुरुष वर्ग में प्रशांत व बिट्टू अपने-अपने मैच जीतकर अगले राउंड में पहुंचे। प्रशांत ने सतीश को 0-7 से तथा बिट्टू ने 7-4 के मुकाबले से अमन को हराया। लॉन टेनिस एसोसिएशन की तरफ से आयोजित प्रतियोगिता में वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. नरेन्द्र गुप्ता मुख्य अतिथि व ओम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. पुनीत गोयल मौजूद थे। प्रतियोगिता में 60 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

डॉ. गुप्ता ने कहा कि खिलाड़ी खेल भावना से खेले तथा जीत के प्रति सकारात्मक रवैया रखते हुए हार से भी निराश नहीं हों। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन के इस कदम की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। लॉन टेनिस एसोसिएशन हिसार का यह प्रयास सराहनीय है तथा इससे जिले में टेनिस के खेल को बढ़ावा मिलेगा, जिससे कई प्रतिभाएं उभरकर सामने आएंगी।

ओम ग्रुप के निदेशक डॉ. पुनीत गोयल ने कहा कि लॉन टेनिस एसोसिएशन हिसार टेनिस को लेकर कोई भी आयोजन करती है तो वह सदैव तैयार है। उन्होंने एसोसिएशन के सदस्यों से अपील की कि वे जल्द ही प्रदेश स्तरीय का आयोजन करवाए ताकि जिले की टेनिस प्रतिभाओं को अपना दमखम दिखाने के लिए नया मंच मिल सके।

एसोसिएशन के प्रधान सतेन्द्र सिंह ने कहा कि समाजसेवी लोगों के सहयोग से ही खेलों को एक नई दिशा मिलने का काम हुआ तथा एसोसिएशन भविष्य में भी ऐसे आयोजन करती रहेगी। प्रतियोगिता के लिए जगह उपलब्ध करवाने के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर का धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा कि लॉन टेनिस एसोसिएशन हिसार जिले में लॉन टेनिस खिलाड़ियों को सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रयासरत रहेगी। एसोसिएशन के प्रयासों से जल्द ही महावीर स्टेडियम में दो टेनिस कोर्ट बनेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता के प्रति खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह है तथा पहले आयोजन में ही उन्हें जिले के युवा खिलाड़ियों का अच्छा रिस्पांस मिला है।

मंच संचालन एसोसिएशन के महासचिव बलराज तक्षक व कार्यकारी सदस्य विशाल सिंह ने किया। इस अवसर पर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष नीतिन एस कुमार, कोषाध्यक्ष मोहित अग्रवाल, सह सचिव प्रदीप सरॉफ, तकनीकी सलाहकार शशी लूथरा, कोच योगेश कोहली, प्रेस सचिव राजेश पूनिया, कार्यकारी सदस्य संदीप महतानी, शैलेन्द्र गोयत तथा डॉ. अनुराग बिश्नोई आदि मौजूद थे।

जीजेयू में लान टेनिस एसोसिएशन की ओर से आयोजित टेनिस प्रतियोगिता में खेलते खिलाड़ी।

खेल का शुभारंभ करते डॉ. नरेंद्र गुप्ता।

दैनिक जागरण - 12/2/17

सात देशों के वैज्ञानिक पर्यावरण संरक्षण पर जीजेयू में करेंगे मंथन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

पर्यावरणविद भगवान गुरु जंभेश्वर के नाम से स्थापित जीजेयू यूनिवर्सिटी में बीरवार से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। कांफ्रेंस में सात देशों के वैज्ञानिक पर्यावरण संरक्षण पर मंथन करेंगे। इस कांफ्रेंस का आयोजन जीजेयू के एनवायरमेंट साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित किया जाएगा। इस कांफ्रेंस को स्वर्ण जयंती सेलिब्रेशन अथॉरिटी पंचकुला और यूजीसी द्वारा स्पोंसर किया जाएगा। इस कांफ्रेंस में देश-विदेश के सैकड़ों शोधार्थी शोधपत्र भी प्रस्तुत करेंगे।

कांफ्रेंस में पर्यावरण संरक्षण के साथ ही वन्य प्राणियों, प्राकृतिक संसाधनों, जल आदि के संरक्षण को लेकर भी मंथन किया जाएगा। पर्यावरण में विज्ञान एवं अभियांत्रिकी की भूमिका एवं इस क्षेत्र में रिमोट सेंसिंग और जीआईएस की भूमिका पर भी वैज्ञानिक अपने विचार रखेंगे। इस दौरान जीजेयू के कुलपति विशेष रूप से मौजूद रहेंगे।

ये वैज्ञानिक लेंगे हिस्सा

कांफ्रेंस के कन्वीनर प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि कांफ्रेंस में करीब सात देशों के वैज्ञानिक हिस्सा लेंगे। ब्राजील से प्रो. मारिया लुसिया कालीजुरी, जापान के उत्सुनोमिया यूनिवर्सिटी से तोशीयूकी निकाता, यूके की न्यूकास्टल यूनिवर्सिटी से डॉ. पॉल सेलिस, इरान की यूनिवर्सिटी ऑफ तेहरान से डॉ. एमए. अमुजगर, स्पेन से प्रो. मार्कोस इजेया, फिलाडेलफिया से प्रो. रोनाल्ड एल. मर्सकी, स्पेन से डॉ. ई. मार्गुई, आईआईटी दिल्ली से प्रो. सत्यवती शर्मा, डीटीयू दिल्ली से प्रो. एसके सिंह, जीजेयू रजिस्ट्रार अनिल कुमार पुंडीर, आईएमडी नई दिल्ली के डायरेक्टर डॉ. एसडी अतरी, एनजीटी के पूर्व सदस्य प्रो. डीके अग्रवाल, जेएनयू से प्रो. पीके जोशी, आईआईटी दिल्ली से अनुश्री मलिक, बरेली से प्रो. नीलिमा शर्मा आदि वैज्ञानिक मौजूद रहेंगे।

इन सब-थीम पर होगा मंथन

- एनवायरमेंटल साइंस एंड इंजीनियरिंग
- वॉटर पॉल्यूशन एंड वॉटर क्वालिटी कंट्रोल
- एनवायरमेंटल मेनेजमेंट एंड सेफ्टी
- एयर पॉल्यूशन एंड एयर क्वालिटी कंट्रोल
- सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड फारेस्ट्री
- बायोएनर्जी एंड बायोटेक्नोलॉजी

अमर उजाला - 14/2/17

परीक्षा के तनाव से मुक्त रह करें पढ़ाई

प्रोफेसर संदीप ने परीक्षार्थियों को दिए सुझाव, अभिभावकों को दी घर का माहौल सही रखने की सलाह

हैलो जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार : आज के समय में छात्र नंबर लेने और एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ में लगे हैं। छात्र नंबर के बजाय जीवन की दौड़ जीतने पर विश्वास करें। अभिभावकों को भी चाहिए कि वह परीक्षा के समय में घर का माहौल सही रखे। बच्चों में भेदभाव न करें। परीक्षा का समय होने के कारण दैनिक जागरण की तरफ से करवाए गए हैलो जागरण कार्यक्रम में गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. संदीप राणा ने अभिभावकों व छात्रों को टिप्स दिए।

दैनिक जागरण कार्यालय में छात्रों ने फोन पर परीक्षा की तैयारी कैसे करें व किस तरह बेहतर नंबर ला सकते हैं इस पर बातचीत की। डॉ. राणा ने उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया। अभिभावकों ने डॉ. राणा के समक्ष बच्चों की तरफ से पढ़ाई नहीं करने की बात रखी। डॉ. राणा ने छोटे बच्चे होने के कारण उनको फ्री रखने के साथ-साथ पढ़ाई का ज्यादा बोझ नहीं डालने की बात कही।

- विशाल कॉलोनी निवासी सुनीता के सवाल पर डॉ. संदीप राणा ने कहा कि बच्चों में जो भी हुनर है उसे बाहर निकाले। कमजोरी को न देखे। वह पढ़ता नहीं तो कारण जाने। निधि जैन के सवाल पर डॉ. राणा ने कहा कि सकारात्मक प्रभाव बनाए रखे। घर का माहौल को सही रखे। बच्चे के हुनर को देखते हुए आगे बढ़ाए। नुकसान और फायदे को अवश्य देखे।
- किरण के सवाल पर डॉ. राणा ने कहा कि पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती है। बात को समझ कर आगे बढ़े। भिवानी रोहिल्ला के राजेंद्र ने अपनी जिज्ञासा को शांत किया। डॉ. राणा ने कहा कि उनका बच्चा छोटा है। उसको मस्ती करने दे। बच्चे के अध्यापक से बात करें।

पंकज : बारहवीं में मेरे नॉन मेडिकल है, पढ़ाई किस तरह से करूं।

- पढ़ाई को ज्ञान के लिए पढ़े। जो विषय है उनको बांट ले। एक विषय को पूरा एक साथ नहीं पढ़ा जा सकता। एक समय में एक एक्टिविटी करें। पढ़ाई को किसी न किसी उदाहरण के साथ जोड़ेंगे तो समझ जल्दी आएगी। परीक्षा के दौरान नंबर के बारे में न सोचें।

लोगों की समस्याएं सुनते डॉ संदीप राणा।

राजेंद्र : कंपीटिशन की तैयारी किस तरह से करें।

- सबसे पहले जिस नौकरी में जाना है वह स्पष्ट होना चाहिए। गोल क्लीयर होगा तो परीक्षा की तैयारी उसी अनुसार अच्छी होगी। खुद को कम नहीं आंकना है। गलत बातों को अपने से दूर रखे।

पुरुषोत्तम : बच्चे पढ़ाई से दूर होते जा रहे हैं

- बच्चों की पढ़ाई को पार्ट्स में बांट दें। पढ़ते समय उनको किस केस का उदाहरण देंगे तो उनको समझ जल्दी आएगा। परीक्षा के समय बच्चे समय पर पहुंचे ताकि उनको यह न लगे उनका समय व्यर्थ हो गया। बच्चों को खाना समय पर दें और सोने का स्थान भी निश्चित हो।

स्वाति : कुछ याद करने पर मैं भूल जाती हूं

- जब कोई स्ट्रेस में होता है तो ऐसा होता है। परीक्षा के दौरान जो प्रश्न आते हैं उनको पहले करें। सभी प्रश्नों के प्वाइंट्स बनाकर उनको याद करें।

सविता : उनके बच्चे ढंग से पढ़ते नहीं।

- वह अपने बच्चों में तुलना न करें। हर बच्चा अलग होता है। उसकी योग्यता अलग है। बच्चों में कितनी योग्यता है यह देखें और वह किस लाइन में जाना है यह जानें। वह उसमें उम्मीद से ज्यादा तेजी से पढ़ाई करेगा।

शेफाली : ग्रेजुएशन पूरी हो गई अब क्या करूं।

- किस क्षेत्र में आप को जाना है उसमें काम करें। खाली न बैठें। पढ़ाई आगे करें। जो काम अच्छा लगता है उसे करेंगे तो आसानी से आगे बढ़ जाएंगे।

टिप्स

- परीक्षा को आत्मविश्वास से दें।
- अपने आप की दूसरे से तुलना न करें।
- एक समय में एक विषय पर ध्यान केंद्रीत करें।
- चिंता व तनाव भी इस दौरान हो सकता है, उसके लिए भी तैयार रहना चाहिए।
- परीक्षा को कभी न छोड़े।
- अपनी बात को नकारात्मक अनुभव से न जोड़े।
- परीक्षा से संबंधित विषय सामग्री को समयबद्ध तरीके से बांट कर पढ़े।
- परीक्षा से एक दिन पहले नींद अवश्य लें। खाली पेट परीक्षा न दे।
- परिणाम के बारे में ज्यादा न सोचे।
- सोने व खाने का समय व स्थान में बदलाव नहीं होना चाहिए।
- योग और प्रणायाम बच्चों को करवाएं, उससे मदद मिलेगी।
- आसान प्रश्न को पहले ले और उसको करें।
- परीक्षा केंद्र पर समय पर पहुंचे।

दैनिक जागरण - 14/2/17

हाइटेक होंगी जीजेयू की लैब, शोध में एडवांस टेक्नोलॉजी से मिलेगी मदद

एक करोड़ 40 लाख की मिली ग्रांट, इक्यूपमेंट और तकनीक पर होगी खर्च, ग्रांट लगने से जीजेयू में शोध कार्य अब और भी सुविधाजनक हो जाएगा

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में शोध कार्य अब और सुविधाजनक हो जाएगा। जिन शोधशालाओं में परीक्षण किया जाता था उनके हालत अब बदलने वाली है और इनमें अब सुविधाओं का अभाव भी नहीं रहेगा। जीजेयू प्रशासन अब फिजिक्स, केमेस्ट्री और बायो नैनो टेक विभाग के अलावा कई अन्य लैब में हाई टेक्नीक कंप्यूटर और लैब इक्यूपमेंट खरीदने जा रही है। रूसा से मिली एक करोड़ 40 लाख रुपए की ग्रांट को खर्च कर अब नए उपकरण स्थापित किए जाएंगे। इसमें फिजिक्स विभाग में सॉफ्टवेयर से युक्त हाई स्पीड सर्वर लगाया जाएगा तो वहीं इसके साथ ही 10 लाख का यूपीएस भी लगाया जाएगा।

इसके अलावा प्रिंटिंग विभाग में एक 3डी प्रिंटर भी खरीदा गया है। जिससे अब प्रिंटिंग का स्वरूप ही बदल जाएगा। वहीं चार खास अन्य ऐसे उपकरण खरीदे जाएंगे। जिनकी मदद से साइंस कोर्स में किए जाने वाले शोध में नया बदलाव लाया जा सकेगा और सभी विभाग मिलकर लैब का प्रयोग कर सकेंगे। इससे शोधार्थियों को शोध करने में कई तरह की मदद मिलेगी।

80 लाख रुपए की लागत से ये खरीदे जाएंगे उपकरण

सेंट्रल लैब में एटोमिक आब्जर्वेशन स्पेक्ट्रो फोटो मीटर, एचपीएलसी यानि हाई प्रेशर लिक्विड क्रेटोमीटरग्राफी, डीएससी यानि डिफेंशियल स्कैन क्लोरीमीटर व वाटर प्यूरीफिकेशन सिस्टम को स्थापित किया जाएगा। 80 लाख रुपए की कुल लागत से खरीदे जाने वाले ये उपकरण बेहद एडवांस और खास हैं। इनकी मदद से शोध से जुड़े कई परीक्षण किए जा सकते हैं। वहीं फिजिक्स विभाग की लैब में स्थापित किया जाने वाले सर्वर भी बेहर खास होगा।

शोध कार्य में इस तरह होगी सुविधा

फिजिक्स विभाग में सर्वर की मदद से कंप्यूटर मॉडलिंग ग्राफिक्स बन सकेगा। इससे प्रायोगिक कार्य करने से पहले ही मॉडल बनाकर यह देखा जा सकता है कि आगे काम किस तरह से किया जा सकेगा। एएएसपी से सब्जी या पानी में किस तरह के हैवी मेटल है यह जांच की जा सकेगी। पानी में मिश्रित निकल, मर्करी, फ्लोराइड व एल्मोनियम जैसे हानिकारक तत्वों की जांच की जा सकेगी। तो वहीं एचपीएलसी से दवाई में मौजूद कंपाउंड, भोजन में मिश्रित पेस्टिसाइड की पहचान व उन्हें अलग-अलग किया जा सकेगा। इसके अलावा डीएससी से ड्रग में मिश्रित आर्गेनिक व इन आर्गेनिक कपाउंड कि कितने तापमान तक स्थिरता है इसकी जांच की जा सकेगी। वहीं वाटर प्यूरीफिकेशन सिस्टम में आयन युक्त वाटर मिल सकेगा, शोध में इसी पानी का इस्तेमाल किया जाता है।

जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा काम

एक करोड़ 40 लाख रुपए खर्च कर लैब के लिए खरीदे जाने वाले उपकरण व इक्यूपमेंट खास होंगे। इससे पहले यह सुविधा उपलब्ध नहीं थी, इनसे शोध करने में काफी मदद मिलेगी। इस प्रोजेक्ट पर काम पूरा हो गया है। जल्द ही यह सुविधा भी मिल सकेगी।"

प्रो. नीरज दिलबागी, इंचार्ज, रूसा प्रोजेक्ट, जीजेयू

दैनिक भास्कर - 14/2/17

जीजेयू में पेटेंट खोज उपकरण पर कार्यशाला आयोजित

हिसार, 17 फरवरी (निस) : गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के बायो व नैनो टैक्नॉलोजी विभाग द्वारा 'पेटेंट खोज उपकरण' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के टीईक्यूआईपी-द्वितीय कार्यक्रम के सहयोग से हुई इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता एचएससीएसटी के पेटेंट अधिकारी डा. राहुल तनेजा थे। अध्यक्षता विभागाध्यक्षा प्रो. नमिता सिंह ने की। मुख्य वक्ता डा. राहुल तनेजा ने प्रतिभागियों को पेटेंट के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि शोधकर्ता को अपने शोध को पेटेंट करवाना चाहिए ताकि वो उसकी सम्पदा के रूप में चिन्हित हो सके। उन्होंने पेटेंट करवाने की प्रक्रिया को भी विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि वर्तमान तकनीकी युग में पेटेंट की प्रक्रिया पहले से सरल हो गई है। विभागाध्यक्षा प्रो. नमिता सिंह ने इस अवसर पर विभाग में हो रहे शोध कार्यों के बारे में जानकारी दी तथा शोधार्थियों को गुणवत्ता आधारित शोध करने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में 60 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

पाठकपत्र - 17/2/17

'विकास होना चाहिए पर पर्यावरण की कीमत पर नहीं'

स्वर्ण जयंती के मौके पर गुजवि में पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू, किसान आयोग के अध्यक्ष प्रो. रमेश यादव पहुंचे

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा किसान आयोग चंडीगढ़ के अध्यक्ष प्रो. रमेश कुमार यादव ने कहा है भौतिक विकास की कीमत पर्यावरण क्षति के रूप में चुकानी पड़ रही है। विकास तो होना चाहिए, लेकिन पर्यावरण की कीमत पर नहीं। वह गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के सौजन्य से तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के उभरते क्षेत्र विषय पर हो रहे सम्मेलन के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। एनआइटी कुरुक्षेत्र के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. बलदेव सेतिया बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सम्मेलन का आयोजन हरियाणा स्वर्ण जयंती उत्सव प्राधिकरण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली तथा भूमि विज्ञान मंत्रालय नई दिल्ली के सहयोग से हो रहा है। प्रो. यादव ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण को लेकर हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों को रोकने के लिए तुरंत व प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। मुख्य वक्ता प्रो. बलदेव सेतिया ने कहा कि कृषि में 70 फीसद पानी का प्रयोग किया जाता है। जबकि ढाई फीसद पानी ही स्वच्छ है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण की समस्या बेशक आज वैश्विक है, लेकिन इसकी जड़ें स्थानीय स्तर से ही जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सम्मेलन में वैज्ञानिकों को इस दिशा में गंभीरता से विचार करना चाहिए। वैज्ञानिकों को इस दिशा में शोध करना चाहिए कि आखिर किसान को अपने खेतों के अवशेषों क्यों जलाना पड़ रहा है। खेतों के अवशेषों को जलाने की बजाय उनके किसी बेहतर सृजनात्मक प्रयोग के रास्ते तलाशने की जरूरत है।

गुजवि में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते किसान आयोग के अध्यक्ष प्रो. रमेश कुमार यादव। साथ में हैं कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं अन्य।

गुरुग्राम में बढ़ रहा पर्यावरण प्रदूषण

सम्मेलन के संयोजक प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने कहा कि देश में पर्यावरण प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है। दो दिन पहले के आंकड़ों पर नजर डालें गुरुग्राम प्रदूषण के मामले में नंबर एक पर था। वहां पर औद्योगिक क्षेत्र कम है, उसके बावजूद तेजी से प्रदूषण बढ़ रहा है जो चिंता विषय है। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ते वाहन है। साथ ही थर्मल प्लांट में प्रयोग होने कोयले व अन्य कारण से प्रदूषण बढ़ रहा है।

सम्मेलन में 500 प्रतिभागी ले रहे भाग

सम्मेलन में 500 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे है। इसमें भारत के सभी राज्यों सहित अनेक देशों के प्रतिभागी पहुंचे है। सम्मेलन के संयोजक प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने बताया कि एक ऑनलाइन सत्र सहित 26 तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। देश के विभिन्न भागों से 24 विषय विशेषज्ञ प्रतिभागियों को सम्बोधित करेंगे। सम्मेलन से संबंधित स्मारिका का विमोचन किया गया।

गुजवि में शुरू होगी बीटेक की पढ़ाई

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में अब एमटेक के साथ बीटेक इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू की जाएगी। पर्यावरण में बीटेक करने की सोच रहे छात्रों के लिए यह अच्छा कदम है। वहीं छात्रों को लाभ देने और पर्यावरण पर मंथन के लिए पर्यावरण को लेकर कम से कम दो साल में एक बार अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन कराया जाया करेगा।

दैनिक जागरण 17/2/17

सात देशों के वैज्ञानिक पर्यावरण संरक्षण पर जीजेयू में करेंगे मंथन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

पर्यावरणविद भगवान गुरु जंभेश्वर के नाम से स्थापित जीजेयू यूनिवर्सिटी में सोमवार से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। कांफ्रेंस में सात देशों के वैज्ञानिक पर्यावरण संरक्षण पर मंथन करेंगे। इस कांफ्रेंस का आयोजन जीजेयू के इनवायरमेंट साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित किया जाएगा। इस कांफ्रेंस को स्वर्ण जयंती सेलिब्रेशन अथॉरिटी पंचकुला और यूजीसी द्वारा स्पोंसर किया जाएगा। इस कांफ्रेंस में देश-विदेश के सैकड़ों शोधार्थी शोधपत्र भी प्रस्तुत करेंगे।

कांफ्रेंस में पर्यावरण संरक्षण के साथ ही वन्य प्राणियों, प्राकृतिक संसाधनों, जल आदि के संरक्षण को लेकर भी मंथन किया जाएगा। पर्यावरण में विज्ञान एवं अभियांत्रिकी की भूमिका एवं इस क्षेत्र में रिमोट सेंसिंग और जीआईएस की भूमिका पर भी वैज्ञानिक अपने विचार रखेंगे। इस दौरान जीजेयू के कुलपति विशेष रूप से मौजूद रहेंगे।

ये वैज्ञानिक लेंगे हिस्सा

कांफ्रेंस के कन्वीनर प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि कांफ्रेंस में करीब सात देशों के वैज्ञानिक हिस्सा लेंगे। ब्राजील से प्रो. मारिया लुसिया कालीजुरी, जापान के उत्सुनोमिया यूनिवर्सिटी से तोशीयूकी निकाता, यूके की न्यूकास्टल यूनिवर्सिटी से डॉ. पॉल सेलिस, इरान की यूनिवर्सिटी ऑफ तेहरान से डॉ. एमए. अमुजगर, स्पेन से प्रो. मार्कोस इजेया, फिलांडेलफिया से प्रो. रोनाल्ड एल. मर्सकी, स्पेन से डॉ. ई. मार्गुई, आईआईटी दिल्ली से प्रो. सत्यवती शर्मा, डीटीयू दिल्ली से प्रो. एसके सिंह, जीजेयू रजिस्ट्रार अनिल कुमार पुंडीर, आईएमडी नई दिल्ली के डायरेक्टर डॉ. एसडी अतरी, एनजीटी के पूर्व सदस्य प्रो. डीके अग्रवाल, जेएनयू से प्रो. पीके जोशी, आईआईटी दिल्ली से अनुश्री मलिक, बरेली से प्रो. नीलिमा शर्मा आदि वैज्ञानिक मौजूद रहेंगे।

इन सब-थीम पर होगा मंथन

- एनवायरमेंटल साइंस एंड इंजीनियरिंग
- वॉटर पॉल्यूशन एंड वॉटर क्वालिटी कंट्रोल
- एनवायरमेंटल मेनेजमेंट एंड सेफ्टी
- एयर पॉल्यूशन एंड एयर क्वालिटी कंट्रोल
- सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड फारेस्ट्री
- बायोएनर्जी एंड बायोटेक्नोलॉजी

अमर उजाला - 15/2/17

प्रकृति इंसान की जरूरतों को पूरा कर सकती है, लालच को नहीं : प्रो. यादव

जीजेयू में पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग का तीन दिवसीय सम्मेलन शुरू, पर्यावरण की कीमत पर न हो विकास का दिया गया संदेश

भास्कर न्यूज | हिसार

भौतिक विकास की कीमत पर्यावरण क्षति के रूप में चुकानी पड़ रही है। विकास तो होना चाहिए, लेकिन पर्यावरण की कीमत पर नहीं। यह बात हरियाणा किसान आयोग, चंडीगढ़ के अध्यक्ष प्रो. रमेश कुमार यादव ने कही। वो जीजेयू के पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के सौजन्य से सीआरएस सभागार में शुरू हुए तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

'पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के उभरते क्षेत्र' विषय पर हो रहे इस सम्मेलन के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। एनआइटी कुरुक्षेत्र के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. बलदेव सेतिया बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. रमेश कुमार यादव ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमें गांधी जी का कथन याद रखना चाहिए, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रकृति हर एक व्यक्ति की जरूरतों को पूरा तो कर सकती है लेकिन उसके लालच को नहीं।

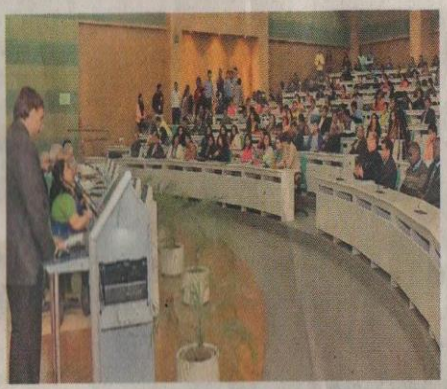

जीजेयू के पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक।

शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

किसानों को क्यों जलाने पड़ते हैं अवशेष

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण की समस्या बेशक आज वैश्विक है, लेकिन इसकी जड़ें स्थानीय स्तर से ही जुड़ी हैं। जब तक स्थानीय समस्याओं का समाधान नहीं होगा तब तक वैश्विक स्तर पर भी पर्यावरण प्रदूषण की समस्या से निपटा नहीं जा सकेगा। वैज्ञानिकों को इस दिशा में शोध करना चाहिए कि आखिर किसान को अपने खेती के अवशेषों क्यों जलाना पड़ रहा है। खेती के अवशेषों को जलाने की बजाय उनके किसी बेहतर सृजनात्मक प्रयोग के रास्ते तलाशने की जरूरत है। मुख्य वक्ता प्रो. बलदेव सेतिया ने कहा कि भारतीय संस्कृति आदिकाल से ही पर्यावरण संरक्षण के नियम पर टिकी है।

24 विषय विशेषज्ञ 500 प्रतिभागियों को करेंगे संबोधित

कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि जीवन की गुणवत्ता पर्यावरण की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। खतरे की घंटी बज चुकी है। पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की अध्यक्षा एवं सम्मेलन की संयोजिका प्रो. आशा गुप्ता ने अपने स्वागत संबोधन में विभाग की गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। सम्मेलन के संयोजक प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने विश्वविद्यालय के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि इस सम्मेलन में भारत के लगभग सभी राज्यों तथा विदेशों से भी प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। एक ऑनलाइन सत्र सहित 26 तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। देश के विभिन्न भागों से 24 विषय विशेषज्ञ प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर सम्मेलन से संबंधित स्मारिका का विमोचन भी किया गया। सम्मेलन में 500 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। धन्यवाद प्रस्ताव डा. राजेश लोहचब ने प्रस्तुत किया। मंच संचालन डा. अनीता ने किया।

दैनिक भास्कर 17/2/17

वैज्ञानिक शोध करें, किसान क्यों जला रहे पराली : कुलपति

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

हरियाणा किसान आयोग के अध्यक्ष प्रो. रमेश कुमार यादव ने कहा है भौतिक विकास की कीमत पर्यावरण क्षति के रूप में चुकानी पड़ रही है। विकास तो होना चाहिए, लेकिन पर्यावरण की कीमत पर नहीं। प्रो. रमेश कुमार यादव जीजेयू के पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के सौजन्य से सीआरएस सभागार में शुरू हुए तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। 'पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के उभरते क्षेत्र' विषय पर हो रहे इस सम्मेलन के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। एनआईटी कुरूक्षेत्र के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. बलदेव सेतिया बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण प्रदूषण की समस्या बेशक आज वैश्विक है, लेकिन इसकी जड़ें स्थानीय स्तर से ही जुड़ी हैं। वैज्ञानिकों को इस दिशा में शोध करना चाहिए कि आखिर किसान को खेती के अवशेषों क्यों जलाना पड़ रहा है। खेती के अवशेषों को जलाने की बजाय उनके किसी बेहतर सृजनात्मक प्रयोग के रास्ते तलाशने की जरूरत है। मुख्य वक्ता प्रो. बलदेव सेतिया ने संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति आदिकाल से ही पर्यावरण संरक्षण के नियम पर टिकी है। कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने भी विचार रखे। सम्मेलन के संयोजक प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने विश्वविद्यालय के बारे में विस्तृत जानकारी दी सम्मेलन में 500 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हरियाणा किसान आयोग के अध्यक्ष प्रो. रमेश कुमार यादव। साथ में हैं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं अन्य।

जीजेयू में बीटेक सिविल इंजीनियरिंग का कोर्स करेंगे शुरू : पर्यावरण को लेकर कम से कम दो साल में एक बार अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन करवाया जाया करेगा। साथ ही विश्वविद्यालय में बीटेक सिविल इंजीनियरिंग का कोर्स शुरू करने की योजना है। संभव है यह कोर्स आगामी सत्र से ही शुरू हो जाएगा।

अमर उजाला 17/2/17

गुजवि में पेटेंट खोज उपकरण पर कार्यशाला का आयोजन

हिसार, 16 फरवरी (का.प्र.): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के बायो व नैनो टैक्नॉलोजी विभाग द्वारा 'पेटेंट खोज उपकरण' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के टी.ई.क्यू.आई.पी.-द्वितीय कार्यक्रम के सहयोग से हुई इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता एच.एस.सी.एस.टी. के पेटेंट अधिकारी डा. राहुल तनेजा थे। अध्यक्षता विभागाध्यक्षा प्रो. नमिता सिंह ने की।

कार्यशाला को सम्बोधित करते डा. राहुल तनेजा।

मुख्य वक्ता डा. राहुल तनेजा ने प्रतिभागियों को पेटेंट के महत्व के बारे में बताया कि शोधकर्ता को अपने शोध को पेटेंट करवाना चाहिए ताकि वो उसकी सम्पदा के रूप में चिन्हित हो सकें।

विभागाध्यक्षा प्रो. नमिता सिंह ने इस अवसर पर विभाग में हो रहे शोध कार्यों के बारे में जानकारी दी तथा शोधार्थियों को गुणवत्ता आधारित शोध करने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में 60 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

पंजाब केसरी हिसार 17/2

सम्मेलन में 220 शोधार्थियों ने पेश किए शोध पत्र

हिसार, 17 फरवरी (का.प्र.): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के सौजन्य से सी.आर.एस. सभागार में 'पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के उभरते क्षेत्र' विषय पर चल रहे 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन शुक्रवार को 16 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए जिनको प्रतिष्ठित विषय विशेषज्ञों ने सम्बोधित किया। साथ ही सभागार में 3 अलग-अलग स्थानों पर चल रहे तकनीकी सत्रों में देश-विदेश से आए 220 शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

गु.ज.वि. के पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के सौजन्य से चल रहे 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुति देता एक शोधार्थी व सम्मेलन में उपस्थित शिक्षक एवं शोधार्थी।

सम्मेलन संयोजक पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की अध्यक्षा प्रो. आशा गुप्ता व संयोजक प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने बताया कि सी.सी.एस. हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार से आए कृषि वैज्ञानिक डा. आर.के. बहल ने बताया कि विश्व के नागरिकों की 35 प्रतिशत कैलोरी की जरूरत गेहूं पूरी करता है। उन्होंने मौसम परिवर्तन के गेहूं पर प्रभाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी। रूड़की इंजीनियरिंग एंड मैनेजमैंट इंस्टीच्यूट शामली के डा. एच.एन. दत्ता ने भूकम्प के पूर्वानुमान में वातावरण विज्ञान के महत्व व योगदान के बारे में बताया। पी.जी. इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़ के डा. रविन्द्र खाइवाल ने मौसम परिवर्तन का महिलाओं के स्वास्थ्य तथा भोजन पर होने वाले प्रभाव के बारे में जानकारी दी। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक की प्रो. राजेश धनखड़ ने पानीपत रिफाइनरी के कारण आसपास की खेती पर होने वाले प्रभाव के बारे में जानकारी दी। तकनीकी विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रो. एस.के. सिंह ने ठोस कचरा प्रबंधन में आने वाली चुनौतियों के बारे में व्याख्यान दिया। आई.आई.टी., रूड़की के पूर्व प्रो. डा. निशी के भारद्वाज ने कागज मिलों से होने पर्यावरण प्रदूषण को नियंत्रित करने के बारे में बताया। जी.बी. पंत कृषि विश्वविद्यालय, पंतनगर उत्तराखंड के प्रो. राजीव श्रीवास्तव ने बताया कि पौधों की मदद से जल व भूमि प्रदूषण को कम किया जा सकता है। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के डा. जे.पी. यादव ने हरियाणा के पारंपरिक औषधि पौधों के महत्व के बारे में बताया। इसी विश्वविद्यालय की प्रो. विनीता शुक्ला द्वारा मानव के स्वास्थ्य पर हो रहे इलैक्ट्रो मैगनैटिक रेडियेशंस के कुप्रभावों के बारे में जानकारी दी।

आस्ट्रेलिया से आई डा. ज्योति राणा के अतिरिक्त दिल्ली से डा. सत्यवती शर्मा, डा. अशुश्री मलिक व डा. अनिल हरितास, अमृतसर से डा. दलजीत सिंह अरोड़ा, चंडीगढ़ से डा. एस.सी. जैन, गुजरात से डा. राजेश सिंह, रोहतक से डा. अनिल छिक्कर तथा हिसार से डा. आर.सी. यादव ने विभिन्न तकनीक सत्रों की अध्यक्षता की तथा अपने व्याख्यान दिए।

-पंजाब केसरी हिसार- 18/2/17

गुजवि में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में वक्ताओं ने दी जानकारी

35% कैलोरी की जरूरत पूरी करता गेहूं : बहल

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के सौजन्य से सीआरएस सभागार में 'पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के उभरते क्षेत्र' विषय पर चल रहे तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन 16 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए जिनको प्रतिष्ठित विषय विशेषज्ञों ने सम्बोधित किया। साथ ही सभागार में तीन अलग-अलग स्थानों पर साथ-साथ चल रहे तकनीकी सत्रों में देश-विदेश से आए 220 शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। सम्मेलन संयोजक पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की अध्यक्षा प्रो. आशा गुप्ता व संयोजक प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने बताया कि सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार से आए कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरके बहल ने बताया कि विश्व के नागरिकों की 35 प्रतिशत कैलोरी की जरूरत गेहूं पूरी करता है। उन्होंने मौसम परिवर्तन के गेहूं पर प्रभाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

गुजवि में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन अपने शोध पत्र प्रस्तुत करते शोधार्थी।

रूड़की इंजीनियरिंग एंड मैनेजमैंट इंस्टीच्यूट शामली के डॉ. एचएन दत्ता ने भूकम्प के पूर्वानुमान में वातावरण विज्ञान के महत्व व योगदान के बारे में बताया। पीजी इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़ के डॉ. रविन्द्र खाइवाल ने मौसम परिवर्तन का महिलाओं के स्वास्थ्य तथा भोजन पर होने वाले प्रभाव के बारे में जानकारी दी। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक की प्रो. राजेश धनखड़ ने पानीपत रिफाइनरी के कारण आसपास की खेती पर होने वाले प्रभाव के बारे में जानकारी दी। तकनीकी विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रो. एसके सिंह ने ठोस कचरा प्रबंधन में आने वाली चुनौतियों के बारे में व्याख्यान दिया। आईआईटी, रूड़की के पूर्व प्रो. डॉ. निशी के भारद्वाज ने कागज मिलों से होने पर्यावरण प्रदूषण को नियंत्रित करने के बारे में बताया। जीबी पंत कृषि विश्वविद्यालय, पंतनगर उत्तराखंड के प्रो. राजीव श्रीवास्तव ने बताया कि पौधों की मदद से जल व भूमि प्रदूषण को कम किया जा सकता है।

आज समाज- 18/2/17

गु.ज.वि. खिलाड़ी लेंगे मास्टर्स एथलैटिक चैम्पियनशिप में हिस्सा

हिसार, 17 फरवरी (का.प्र.): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कर्मचारी खिलाड़ी टीम हरियाणा राज्य की ओर से 38वीं नैशनल मास्टर्स एथलैटिक चैम्पियनशिप में भाग लेंगे। जी.एम.सी. बालयोगी एथलैटिक स्टेडियम, हैदराबाद में होने वाली यह चैम्पियनशिप 21 से 25 फरवरी को होगी। विश्वविद्यालय के कर्मचारी खिलाड़ी शुक्रवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर से मिले। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने टीम को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी हैं। खिलाड़ियों की टीम 19 फरवरी को हैदराबाद के लिए रवाना होगी। विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डा. एस.बी. लुथरा ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रो. नरेन्द्र मलिक भाला फैंक व डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता, डा. एस.बी. लुथरा, पूर्व उपकुलसचिव बलबीर सिंह वर्मा, सहायक कुलसचिव सुशीला सिवाच, लैब तकनीशियन कमलदीप नैन व सहायक रामपाल चौहान अपने आयुवर्ग में 5 किलोमीटर पैदल चाल प्रतियोगिता में भाग लेंगे। लिपिक शमशेर सिंह बाधा दौड़ प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

गु.ज.वि. के कर्मचारी खिलाड़ियों की टीम को शुभकामनाएं देते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर।

पंजाब केसरी हिसार- 18/2/17

प्रो. सुभाष कुंडू को मिला ग्लोबल डाइवर्सिटी अवार्ड

हरिभूमि न्यूज. हिसार

गुजवि के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के पूर्व निदेशक प्रो. सुभाष कुंडू को वर्ल्ड ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट एंड इंक्लयूजन कांग्रेस ने ग्लोबल डाइवर्सिटी लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित किया है। उनको यह अवार्ड विविधता के क्षेत्र में सराहनीय योगदान देने के लिए दिया गया है। वर्ल्ड ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट एंड इंक्लयूजन कांग्रेस की मुंबई में शनिवार को समाप्त हुए रजत जयंती समारोह में यह अवार्ड दिया गया। यह अवार्ड प्रबंधन के क्षेत्र में विश्व में चल रहे स्वयं सेवी संगठनों की सलाहकार मीणा वोडार्ड ने दिया। समरोह में साउथ अफ्रीका, अमेरिका, कनाडा तथा इंग्लैंड सहित 133 देशों के 1400 डेलीगेटस ने प्रबंधन के क्षेत्र में उभरते हुए पहलूओं पर अपने विचार प्रकट किए। प्रोफेसरों की श्रेणी में प्रो. कुंडू को यह सम्मान दिया गया।

- उनकी देखरेख में 12 विद्यार्थी पीएचडी कर चुके हैं और आठ विद्यार्थी पीएचडी कर रहे हैं।

प्रबंधन के क्षेत्र में शोध व शिक्षा में सराहनीय काम के लिए उनको एमएम शाह मेमोरियल अवार्ड तथा दीवांग मेहता बिजनेस स्कॉल अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। उनकी देखरेख में 12 विद्यार्थी पीएचडी कर चुके हैं और आठ विद्यार्थी पीएचडी कर रहे हैं। प्रो. सुभाष कुंडू एक सौ के करीब रिसर्च पेपर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में छप चुके हैं।

हरिभूमि - 20/2/17

विद्यार्थी अपने अंदर सॉफ्ट स्किल का करें विकास

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने अंदर सॉफ्ट स्किल का विकास करना चाहिए। यह स्किल उनके लक्ष्य प्राप्ति के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है। विद्यार्थियों को एकाग्रचित होकर लक्ष्य की ओर अग्रसर होने का आह्वान किया।

डा. पुंडीर विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सैल के सौजन्य से विद्यार्थियों के लिए शुरू किए गए नियमित व्यक्तिगत विकास कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने की। निदेशक आउटरीच एंड पब्लिक रिलेशंस प्रो. कर्मपाल नरवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि संचार कौशल में भाषा का महत्वपूर्ण योगदान है। वर्तमान समय में अंग्रेजी का ज्ञान होना भी अत्यंत आवश्यक है। विश्वविद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों में कौशल के विकास के लिए उन्हें सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास के लिए शैक्षणिक के अतिरिक्त अन्य गतिविधियों में भी बढ़चढ़ कर भाग लेना चाहिए। प्रताप सिंह मलिक से कहा कि इस कार्यक्रम की खास बात यह है कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के सहयोग से ही तैयार किया गया है। कार्यक्रम के लिए 350 विद्यार्थियों का पंजीकरण हो चुका है।

कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर।

गुजवि में कार्यक्रम में उपस्थित छात्र। ● जागरण

दैनिक जागरण - 21/2/17

विद्यार्थियों को सॉफ्ट स्किल का विकास करना चाहिए : डा. पुंडीर

हिसार, 20 फरवरी (का.प्र.): गुजवि कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा है कि विद्यार्थियों को सॉफ्ट स्किल का विकास करना चाहिए। यह स्किल उनके लक्ष्य प्राप्ति के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है। डा. पुंडीर वि.वि. प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सैल के सौजन्य से विद्यार्थियों के लिए शुरू किए गए नियमित व्यक्तिगत विकास कार्यक्रम (उद्भावना) के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। निदेशक आऊटरीच एंड पब्लिक रिलेशंस प्रो. कर्मपाल नरवाल इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रो. कर्मपाल नरवाल ने संचार कौशल तथा आवेदन प्रस्तुत करने की तकनीकों के बारे में भी जानकारी दी। प्लेसमेंट निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने कहा है कि विद्यार्थियों में कौशल बढ़ाने के लिए यह विशेष कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

गुजवि में राष्ट्रीय सम्मेलन कल से

हिसार, 20 फरवरी (का.प्र.): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के रसायन विभाग के सौजन्य से 'एडवांस्ड फिजिकल मैथड्स इन केमिकल साइंसिस' विषय पर 22 व 23 फरवरी को राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

गुजवि कार्यक्रम उद्भावना में उपस्थित विद्यार्थी।

पंजाब केसरी हिसार- 21/

पांच दिन में पांच बार मिल ब्रेक डाउन, किसानों को परेशानी

गोहाना, 20 फरवरी (सारिका): आहुलाना स्थित चौ. देवीलाल सहकारी चीनी मिल पिछले पांच दिन से लगातार बार-बार तकनीकी खराबी के चलते ब्रेक डाउन हो रहा है। सोमवार को तो तड़के ही ट्रैक टूटने के कारण लगातार सात घंटे मिल की पिराई का काम बुरी तरह से प्रभावित रहा तो किसान भी परेशान नजर आये। गत सप्ताह मिल के एक सीनीयर अधिकारी को लंबी छुटी पर भेज दिया गया है और मिल को एक जुनियर अधिकारी के हवाले कर दिया गया। बताया जा रहा है कि उक्त जुनियर अधिकारी द्वारा मिल को अकेले मिल चलाने का पूरा अनुभव न होने के कारण बार-बार तकनीकी खराबी आ रही हैं। मगर इसमें परेशानी तो आखिर किसानों को भी झेलनी पड़ रही है।

वीसी टंकेश्वर को मिला विद्यासागर अवॉर्ड

सोनीपत, 20 फरवरी (गौतम): दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार को विद्यासागर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। प्रो.टंकेश्वर को यह अवार्ड देश में शैक्षणिक क्षेत्र में अद्वितीय योगदान के लिए प्रदान किया गया है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ओरियंटल हेरिटेज की 40 वीं वार्षिक अंतर राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन दिल्ली में किया गया। इसमें शैक्षणिक क्षेत्र में अद्वितीय योदान के लिए कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार को विद्यासागर अवार्ड प्रदान किया गया। कुलपति प्रो.टंकेश्वर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एकमात्र भारतीय प्रोफेसर हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ओरियंटल हेरिटेज की अंतर राष्ट्रीय कांफ्रेंस में 10 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिसमें

विद्यासागर अवार्ड हासिल करते कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार।

अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन,जापान, चीन, मलेशिया, म्यामार, श्रीलंका और नेपाल देश के प्रतिनिधि शामिल हैं। यह संस्था भारतीय संस्कति और शिक्षा को लेकर बेहतरीन कार्य कर रही है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ओरियंटल हेरिटेज द्वारा भारतीय संस्कृति को विश्व में फैलाया जा रहा है। गौरतलब है कि कुलपति प्रो.टंकेश्वर द्वारा डीसीआरयूएसटी, मुरथल का अतिरिक्त कार्यभार संभालने के बाद विश्वविद्यालय के सात पाठ्यक्रमों को एनबीए से मान्यता मिल चुकी है। इसके अतिरिक्त हाल ही में नेक की ग्रेडिंग के लिए नेक की टीम ने विश्वविद्यालय का मूल्यांकन किया है। कुलपति प्रो.टंकेश्वर के नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने एनआईआरएफ में भी भाग लिया है।

VC Prof Tankeshwar Kumar honoured

Sonepat: Prof Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the DCR University of Science and Technology, Murthal, was honoured with Vidyasagar Award, Certificate of Excellence, by the Indian Institute of Oriental Heritage Studies during its 40th Annual International Conference held in New Delhi on February 18. The award was given in recognition of his individual contribution to educational activities. TNS

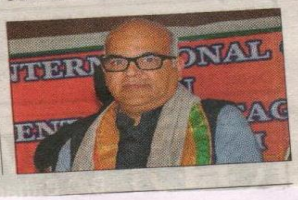

दैनिक सवेरा अम्बाला- 21/2/17

The Tribune

विवि, शिक्षण व सरकारी संस्थानों के लिए रोल मॉडल बनेगा जीजेयू

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व सरकारी महकमों में बिजली बिलों को कम करने के लिए जीजेयू रोल मॉडल बनने जा रही है। जीजेयू की तरह सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का मॉडल अपनाकर प्रदेश के सरकारी संस्थान ही करोड़ों रुपये की बिजली बचा सकते हैं। बहरहाल जीजेयू के करीब 11 भवनों पर लगने वाले इस संयंत्र से जीजेयू हर वर्ष एक करोड़ रुपये बचाएगी। विश्वविद्यालय के मेकेनिकल इंजीनियरिंग वर्कशॉप की छत से संयंत्र स्थापित करने का काम शुरू कर दिया गया है। 31 मार्च तक विश्वविद्यालय में यह सौर ऊर्जा संयंत्र पूरी तरह से शुरू हो जाएगा। जीजेयू हरियाणा की संभवतः पहली यूनिवर्सिटी है।

जीजेयू में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित होने के बाद विश्वविद्यालय को रोजाना 5 हजार यूनिट बिजली देगा। जो कंपनी यह संयंत्र लगा रही है। वह विश्वविद्यालय को 5.37 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली देगी। इससे विश्वविद्यालय के करीब साढ़े पांच लाख रुपये प्रति माह की बचत होगी। वहीं विभिन्न तरीकों से विश्वविद्यालय सालाना एक करोड़ रुपये इस संयंत्र के कारण बचा लेगा। विश्वविद्यालय और कंपनी का इस 1 मेगावाट के संयंत्र के लिए 25 साल का करार है। संयंत्र का रखरखाव कंपनी द्वारा ही किया जाएगा। कंपनी केवल विश्वविद्यालय के भवनों की छतों का इस्तेमाल करेगी।

यहां लगेगा सौर ऊर्जा संयंत्र: यह सौर ऊर्जा संयंत्र विश्वविद्यालय के 11 भवनों पर लगाया जा रहा है। इसकी शुरुआत मेकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग से कर दी गई है। यह प्लांट विवि के 7 टीचिंग ब्लॉकों के अलावा ऑडिटोरियम, हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस, प्रशासनिक भवन व मेकेनिकल इंजीनियरिंग वर्कशॉप पर लगाया जाएगा।

गर्मियों की छुट्टियों के दौरान विवि के हॉस्टल व टीचिंग ब्लॉक बंद रहते हैं। इसलिए बिजली की खपत आधी से भी कम हो जाएगी। जो बिजली इस संयंत्र से बचेगी। उसे विश्वविद्यालय द्वारा बिजली विभाग को बेच दिया जाएगा। इससे भी विश्वविद्यालय को लाखों रुपयों का फायदा होगा।

हिसार। जीजेयू में छत पर लगाते हुए सोलर प्लांट।

हर महीने का बिल 30 लाख के करीब

वर्तमान में सभी टीचिंग ब्लॉकों, हॉस्टलों, प्रोफेसर्स के क्वार्टरों आदि का हर महीने का 30 लाख के करीब बिजली बिल आता है। पूरी यूनिवर्सिटी का एक ही मीटर है। फिलहाल बिजली विभाग विश्वविद्यालय को 8.90 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली देता है। जबकि सौर ऊर्जा संयंत्र द्वारा दी जाने वाली बिजली इससे 3 रुपये 53 पैसे सस्ती पड़ेगी।

कंपनी अपने खर्च पर ही लगाएगी संयंत्र

इस प्लांट को कंपनी अपने खर्च पर ही लगा रही है। विवि को किसी भी तरह का पैसा इस संयंत्र के लिए नहीं देना होगा। विवि संयंत्र लगाने वाली कंपनी से 5.37 रुपये के हिसाब से बिजली खरीदेगा। भारत के सोलर एनर्जी कारपोरेशन ऑफ इंडिया ने सरकारी महकमों में इस कंपनी व बिजली के रेट को सोलर प्लांट लगाने के लिए फिक्स किया हुआ है।

पर्यावरणविद भगवान गुरु जंभेश्वर के नाम से स्थापित हमारा विश्वविद्यालय देश के लिए पहले ही पर्यावरण बचाने के मामले में प्रेरणास्रोत रहा है। खाली छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगवाकर हमने अप्रत्यक्ष रूप से पर्यावरण बचाने में अपना योगदान दिया है। हमारा विश्वविद्यालय प्रदेश के दूसरे विश्वविद्यालयों व अन्य संस्थानों के लिए रोल मॉडल साबित होगा।

– प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, जीजेयू हिसार

यह होगा फायदा

- विश्वविद्यालय को बिजली सस्ती मिलेगी। 20 प्रतिशत बिल कम हो जाएगा।
- भवनों की छतों पर लगने वाले सोलर प्लांट के कारण टॉप फ्लोर के कमरे गर्मियों में अधिक अपेक्षाकृत ठंडे रहेंगे और छतों का इस्तेमाल हो जाएगा।
- विश्वविद्यालय का हर साल करीब 1 करोड़ रुपये बचेगा।
- विश्वविद्यालय को नई बन रही बिल्डिंगों के लिए लोड बढ़वाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

अमर उजाला- 24/2/17

पोस्टर प्रेजेंटेशन में केयू का मोहित सैनी रहा अव्वल

हिसार | आज का विज्ञान कल की तकनीक है। विज्ञान और तकनीक दोनों काफी करीब आ रही हैं और एक दूसरे पर आधारित भी हैं। यह बात जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विश्वविद्यालय के रसायन विभाग के सौजन्य से एडवांस्ड फिजिकल मैथड्स इन केमिकल साइंसिज विषय पर हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राजेश मल्होत्रा तथा कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अध्यक्षता सम्मेलन के समन्वयक एवं विभागाध्यक्ष प्रो. जेबी दहिया ने की।

सम्मेलन के संयोजक सचिव डॉ. सतबीर मोर ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। समारोह में पोस्टर प्रेजेंटेशन के विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया गया। प्रथम पुरस्कार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के मोहित सैनी को मिला जबकि द्वितीय पुरस्कार महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक की प्रीति बूरा को दिया गया। तीसरे स्थान पर ऐआईजेएचएम कॉलेज, रोहतक की प्रियंका रही।

केमिकल साइंस विषय पर हुए राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान प्रदर्शनी का अवलोकन करते विद्यार्थी।

दैनिक भास्कर - 24/2/17

समाज हित में होना चाहिए शोध : प्रो. अशोक चौधरी

हिसार। जीजेयू में सम्मानित करते अतिथि।

हिसार। जीजेयू के डीन फैकल्टी ऑफ बायो साइंस एंड इन्वायर्नमेंट साइंस एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. अशोक चौधरी ने कहा है कि शोध न केवल गुणवत्ता आधारित होना चाहिए बल्कि वह समाज हित में भी होना चाहिए। उच्चस्तरीय शोध के लिए यह जरूरी है कि अति आधुनिक व अति विश्वसनीय सांख्यिकी टूल्स का प्रयोग किया जाना चाहिए। प्रो. अशोक चौधरी शुक्रवार को गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के बायो एंड नैनो टेक्नोलॉजी विभाग के सौजन्य से 'स्टेस्टिकल एप्लीकेशन इन रिसर्च डाटा एनलिसिस' विषय पर सीआरएस सभागार में शुरू हुई दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। अध्यक्षता कार्यशाला की समवन्यक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. नमिता सिंह ने की। एनआईटी कुरुक्षेत्र के डॉ. नीरज कौशिक कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में तथा आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। डॉ. अनिल कुमार भानखड़ संयोजक सचिव तथा डॉ. संतोष कुमारी सह संयोजिका हैं।

अमर उजाला 25/2/17

जीजेयू के दो छात्रों को प्लेसमेंट

हिसार, 24 फरवरी (निस) : गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रिंटिंग टैक्नॉलोजी विभाग के दो विद्यार्थियों का चयन डीआईसी इंडिया, नोएडा कम्पनी में हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों को 3.24 लाख रूपए प्रतिवर्ष पैकेज दिया जाएगा। प्लेसमैंट कार्यक्रम में बीटैक अंतिम वर्ष के विद्यार्थी गौरव जावा व शैलेश कुमार चयनित हुए हैं। ये विद्यार्थी कंपनी में इसी वर्ष पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद ज्वाइन करेंगे।

पाठक पक्ष 24/2/17

आस-पास की गतिविधियों को विज्ञान से जोड़ कर देखें : चुटानी

कार्यशाला का उद्घाटन करते अधिष्ठाता प्रो. दिनेश चुटानी, कार्यशाला में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी।

हिसार, 24 फरवरी (का.प्र.): गुजवि इलैक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के सौजन्य से 'एडवांस्ड सिग्नल प्रोसैसिंग मैथड्स' पर होनी वाली कार्यशाला का उद्घाटन मुख्यातिथि फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग अधिष्ठाता प्रो. दिनेश चुटानी ने किया।

अध्यक्षता विभाग अध्यक्ष डा. संजीव ढुल ने की। इस दौरान कार्यशाला संयोजक विनोद कुमार, मनीषा जांगड़ा, प्रो. संदीप आर्य, डा. दीपक केडिया, डा. रमनीश, विजयपाल सिंह, अभिमन्यु नैन, प्रियंका दलाल, अजय पूनिया, सुमन दहिया व रितु बूरा उपस्थित थे। प्रो. दिनेश चुटानी ने कहा कि हमारे आस-पास होने वाली गतिविधियों को हमें विज्ञान से जोड़कर देखना चाहिए तथा विवेक का उपयोग करते हुए उनका आंकलन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एडवांस्ड सिग्नल प्रोसैसिंग मैथड्स ने तकनीकी रूप से मानव जीवन को बदला है।

विषय विशेषज्ञ आई.आई.टी., मंडी स्कूल ऑफ कम्प्यूरटिंग एंड इलैक्ट्रीकल साईंसिज अध्यक्ष डा. अनिल के. साओ ने 'सुपर रिजॉल्यूशन इमेजिज एवं इमेज प्रोसैसिंग', दीनबंधू छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मूरथल के प्रो. पवन दहिया ने तथा एपट्रोन सॉल्यूशन से पंकज स्वरूप ने 'पावर ऑफ मैटलैब' विषय पर व्याख्यान दिए। डा. संजीव ढुल ने कहा कि युवाओं में कौशल का विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यशाला में 57 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। विभाग की शिक्षिका रितु ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

चलो तो मंजिलें हैं और रुको तो फासला है : डा. रमेश आर्य

हिसार, 24 फरवरी (का.प्र.): राजकीय महाविद्याय हिसार में प्लेसमैंट सैल के तत्वावधान में जॉब एवं न्यूज फॉर कॉर्मस गैजुएट्स विषय पर एक कार्यक्रम डा. सतबीर सिंह उप प्राचार्य की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। प्लेसमैंट सैल के कन्वीनर डा. रमेश आर्य ने कहा कि उन्हें भारतीय संस्कारों व नैतिक मूल्यों को अपनाते हुए वैश्विक स्तर के प्रोफैशनलस बनना होगा। उन्होंने कहा कि चलो तो मंजिलें ही मंजिल है और रुको तो फासला ही फासला है। इस मौके पर प्रोफैसर दलीप सिंह, प्रोफैसर बलवंत सिवाच, प्रोफैसर संत राम, प्रोफैसर एम.पी. बंसल, प्रोफैसर सत्यपाल, श्री प्रेम सिंह, प्रोफैसर मोहिनी शर्मा, डा. संजीव गर्ग, प्रोफैसर ईश्वर सिंह, प्रोफैसर विवेक भारती, प्रोफैसर आर.एस. कागल, प्रोफैसर रामचंद्र श्री धर्मवीर, प्रोफैसर विवेक सैनी, प्रोफैसर पी.एस. रोडिला, प्रोफैसर राजेंद्र सेवदा, डा. दलबीर सिंह व कई अन्य मौजूद थे।

पंजाब केसरी हिसार 25/2/17

एयरकंडीशन होगी जीजेयू की जिम, आधुनिक मशीनें लगेंगी

विश्वविद्यालय को रूसा से मिले 32 लाख रुपये के बजट से आएंगी नई मशीनें

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

जीजेयू के जिम के शौकीन विद्यार्थियों के लिए खुशखबरी है। अब गर्मियों में इन विद्यार्थियों को जिम में होने वाली उमस जैसी समस्या नहीं झेलनी पड़ेगी।

विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में बनी जिम में एयरकंडीशन व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए जिम में पास सिलिंग भी की जाएगी, जिससे साउंड व एयरकंडीशन प्रभावी होगा। लड़कियों की जिम में भी एसी लगाई जाएंगी। इसके साथ ही अब टेबल टेनिस हॉल में भी विद्यार्थी अनुकूलित वातावरण में खेल सकेंगे।

रूसा से मिले बजट से अब जीजेयू के स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का कायाकल्प किया जाएगा। जिम के लिए आधुनिक मशीनें मंगवाने के साथ ही अब जिम को वातानुकूलित बनाया जा रहा है। जिम के साथ बने टेबल टेनिस हॉल और शूटिंग रैंज में भी एयरकंडीशन की व्यवस्था की जा रही है। इससे पहले कांप्लेक्स के बैडमिंटन हॉल कोर्ट का भी नवीनीकरण किया गया था।

32 लाख रुपये का आएगा जिम का सामान : विव में लड़के व लड़कियों की दोनों जिम के लिए नई मशीनें भी मंगवाई जाएगी। इसके लिए रूसा से करीब 32 लाख रुपये का बजट मिला है, जिससे अलग-अलग तरह की मशीनें मंगवाई जाएंगी।

जीजेयू (फाइल फोटो)

दोनों जिम, टेबल टेनिस हॉल व शूटिंग रैंज में एसी लगाई जाएंगी। फिलहाल पास सिलिंग का काम चल रहा है। वहीं रूसा से उन्हें करीब 32 लाख रुपये का बजट मिला है जिनसे जिम के लिए नई मशीनें मंगवाई जाएगी।

– डॉ. एसबी लूथरा, खेल निदेशक, जीजेयू

जीजेयू में एनएसएस में अब होंगी छह यूनिट

हिसार (ब्यूरो)। जीजेयू में राष्ट्रीय सेवा योजना में अब छह यूनिट होंगी। राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 18 मार्च 2017 को हरियाणा स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में राज्यस्तरीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यों की यह रूपरेखा विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की सलाहकार समिति की बैठक में तैयार की गई।

विश्वविद्यालय के कमेटी रूम 1 में हुई बैठक की अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की। कुल सचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर भी बैठक में उपस्थित रहे। राष्ट्रीय सेवा योजना की समन्वयक प्रो. सुजाता सांघी ने बताया कि वर्तमान में यूटीडी में राष्ट्रीय सेवा योजना की चार इकाई कार्यरत हैं। दो और इकाइयों की स्वीकृति मिलने के बाद अब विवि में कुल छह इकाइयां हो जाएंगी। प्रत्येक यूनिट में 100-100 विद्यार्थी होंगे। बैठक में राज्य के नोडल अधिकारी डॉ. कपेंद्र सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक एसपी भटनागर, जिला समन्वयक डॉ. नरेंद्र कुमार, रेडक्रॉस हिसार से डॉ. सतेंद्र श्योराण, विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. हरभजन बंसल, प्रॉक्टर प्रो. संदीप राणा, चीफ वार्डन महिला प्रो. सोनिका, राष्ट्रीय सेवा योजना की समन्वयक प्रो. सुजाता सांघी, डॉ. अनिल भानखड़ व डॉ. सुमन दहिया उपस्थित थे।

अमर उजाला 25/2/17

जीजेयू में वेस्ट मेटीरियल को रिसाइकिल कर पुष्प उत्सव के लिए किया तैयार

वाहनों के पुराने टायरों को रंग कर बनाया बेहद सुंदर, पुष्प उत्सव को लेकर उत्साह

भास्कर न्यूज़ | हिसार

जीजेयू में भी अब एचएयू की तर्ज पर वेस्ट मेटिरियल को सजावटी बनाकर इस्तेमाल किया जा रहा है। रिसाइकिल किए हुए प्रोड्क्ट को पुष्प उत्सव के लिए तैयार किया है। वाहनों के पुराने टायरों पर पेंटकर इस तरह से सजाया गया है मानो रंग बिरंगे डिजाइन के ये टायर म्यूजियम में रखी जानी वाली धरोहर हों। ऐसे में जीजेयू में 28 फरवरी को आयोजित होने वाली पुष्प उत्सव में ये रिसाइकिल टायर आकर्षण का केंद्र जरूर होंगे। इसके अलावा जिस पार्क में फूलों की किस्मों को रखा जाना है। उसे भी तैयार कर लिया है। रविवार को दिनभर इस जगह और अन्य पार्क में पानी की सिंचाई और देखभाल का काम किया गया। इसके अलावा लकड़ियों को भी पेंट कर सजाया गया है। इससे भी पुष्प उत्सव की शोभा बढ़ने वाली है।

जीजेयू में 28 फरवरी को आयोजित होने वाले पुष्प उत्सव से पहले रिसाइकिल किए हुए टायरों के अंदर फूल सजाते हुए कर्मचारी।

दैनिक भास्कर 27/2/17

प्रोजेक्ट | 100 से ज्यादा नए कैमरे लगाएगा विवि प्रशासन, पूर्व में लगे हुए हैं 100 के करीब कैमरे

नाइट विजन कैमरे से पुख्ता होगी गुजवि की सुरक्षा

सुनील बेनीवाल, हिसार

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर में होने विवादों पर अब कैमरों की नजर रहेगी। विवि के प्रत्येक भवन में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। आइटी सेल ने प्रोजेक्ट को अंतिम रूप देकर प्रशासनिक अधिकारियों को सौंप दिया है। स्वीकृति के बाद कैमरे लगाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। 100 से ज्यादा कैमरे विवि परिसर में आने वाले एक दो माह में लग जाएंगे। विवि प्रशासन की ओर से कैमरे लगाने की जिम्मेवारी सरकारी एजेंसी को दी गई है। दिल्ली की आइटी लिमिटेड को यह प्रोजेक्ट सौंपा गया है। कंपनी नवीन तकनीक पर आधारित कैमरे लगाएगी। यह कैमरे रात के समय भी हर चीज को बेहतर तरीके से कैप्चर करेंगे। नाइटविजन कैमरे सभी जगहों पर लगाए जाएंगे। आइटी इंचार्ज के अनुसार पुराने एनालॉग कैमरों को बदल दिया जाएगा। उनकी जगह आइटी बेस कैमरे लगाए जाएंगे। इन एनालॉग कैमरों को सार्वजनिक जगहों में अंदर व बाहर लगाया जाएगा।

सुरक्षा के यह है इंतजाम

मौजूदा समय में 130 के करीब सिक्योरिटी गार्डस विवि में सुरक्षा करते है। तीन शिफ्टों में सिक्योरिटी गार्डस सुरक्षा करते है जो आठ – आठ घंटे की होती है। लाइब्रेरी में तीन से चार सिक्योरिटी गार्डस की ड्यूटी है। उसके अलावा सभी शिक्षक खंडों व प्रशासनिक भवनों में एक – एक सिक्योरिटी गार्ड लगाया गया है। हॉस्टलों में दिन के समय एक – एक होते है, जबकि रात के समय दो – दो सिक्योरिटी गार्डस होते है। कैफेटेरियां से लेकर नैनो साइंस के बीच एक ही सिक्योरिटी गार्ड की डयूटी है। इसके अलावा सभी हॉस्टलों के गेट पर कैमरे है, शॉपिंग कॉम्पलेक्स में कैमरे है और गर्ल्स हॉस्टल में कैमरे लगाए गए है। हैरानी की बात यह है कि कुलपति कार्यालय के बाद सिर्फ सिविल इंजीनियरिंग विभाग में ही कैमरे लगाए हुए है।

इन स्थानों पर लगेंगे कैमरे

- सभी कैंपस के मुख्य गेट व कॉरिडोर मे कैमरे लगाए जाएंगे।
- भवनों के उपर कैमरे लगाए जाएंगे। चौक के साथ मुख्य सड़कों पर नजर बनी रहे।
- प्रत्येक चौक व सड़कों पर कैमरों की व्यवस्था की जाएगी। जो भवनों से ज्यादा दूर है।
- शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मुख्य गेट पर नए नाइटविजन कैमरों को लगाया जाएगा।

यह होगा लाभ

- छात्रों के बीच होने वाले विवादों पर प्रशासनिक कार्रवाई करने में सहायता मिलेगी।
- विवि के बाहर से आने वाले छात्रों व अन्य लोगों पर रखी जा सकेगी।
- कैंपस में चोरी व छेड़छाड़ की घटनाओं पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।
- किसी भी विभाग में कागजात में छात्रों की स्थिति क्या है। उसका पता भी लगाया जा सकेगा।
- स्मोकिंग, नक्शे आदि करने वाले युवाओं पर नजर रखी जा सकेगी।

आइ बेस होंगे कैमरे

विवि परिसर में लगने वाले कैमरों की क्वालिटी भविष्य के अनुरूप होगी। मौजूदा समय में एनालॉग क्वालिटी पर आधारित कैमरे लगाए गए है। परंतु अब आइटी बेस कैमरों को लगाया जाएगा। जिससे कैमरों को मॉनिटर करने में आसानी होगी। इस समय परिसर में लगे कैमरों की कंट्रोल के लिए अलग कंट्रोल रूम बनाए गए है। मगर, आईटी बेस कैमरों के लिए एक ही कंट्रोल रूम होगा। जहां से इन्हें मॉनिटर करने में आसानी होगी। इसके साथ ही दिन व रात में हुई किसी भी घटना की जानकारी एक ही जगह से एकत्रित की जा सकेगी।

"अत्याधुनिक क्वालिटी के कैमरे लगाने का प्रोजेक्ट पूरी तरह से तैयार है। प्रशासन की अंतिम मुहर लगने के साथ ही काम शुरू कर दिया जाएगा। सरकारी एजेंसी नाइट विजन कैमरे परिसर में लगाएगी।

विपिन मक्कड, आइटी सेल इंचार्ज, गुजवि

दैनिक जागरण - 21/2/17

जीजेयू में पुष्प प्रदर्शनी आज

हिसार। जीजेयू में मंगलवार से शुरू हो रही पुष्प प्रदर्शनी के लिए सजाए गए फूल।

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

जीजेयू में हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के प्रांगण में मंगलवार 28 फरवरी को चतुर्थ पुष्प उत्सव का आयोजन होगा।

उद्घाटन समारोह सुबह 11.00 बजे होगा। दोपहर बाद 3.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक मैजिक शो का आयोजन होगा। पुरस्कार वितरण समारोह सायं 4.00 बजे होगा।

हिसार। पुष्प प्रदर्शनी के लिए की गई तैयारी।

विश्वविद्यालय निर्माण विभाग के अधीक्षक अभियंता अशोक अहलावत ने बताया कि उत्सव में कोई भी व्यक्ति, औद्योगिक इकाई, सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाएं भाग ले सकती हैं। आवेदन एवं प्रवेश सुबह 9.00 बजे तक कर सकते हैं। आम जनता के लिए दोपहर 12.00 बजे से दोपहर बाद 3.00 बजे तक देखने के लिए खुला रहेगा।

अमर उजाला - 28/2/17

पुष्प प्रदर्शनी आज

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस परिसर में मंगलवार 28 फरवरी को चतुर्थ पुष्प उत्सव का आयोजन होगा। दोपहर बाद मेजिक शो होगा और शाम को पुरस्कार वितरण समारोह होगा।

विश्वविद्यालय निर्माण विभाग के अधीक्षक अभियन्ता अशोक अहलावत ने बताया कि उत्सव आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस मेले में कोई भी व्यक्ति, औद्योगिक इकाई, सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाएं भाग ले सकती हैं। इस मेले में भाग लेने वाले सभी आवेदन एवं प्रवेश सुबह 9.00 बजे तक कर सकते हैं।

जबकि लोगों के लिए दोपहर 12 से 3 बजे तक खुला रहेगा। इस प्रदर्शनी में पुष्प सज्जा, कट फलावर तथा गमलों के पौधे मेले में आकर्षण का केन्द्र होंगे।

हरिभूमि - 28/

मास्टर एथलैटिक्स में कमलदीप ने गोल्ड जीता

हिसार, 27 फरवरी (का.प्र.): गुजवि कर्मचारी खिलाड़ियों ने हैदराबाद के बालयोगी स्टेडियम में 38वीं मास्टर खेल प्रतियोगिता में विवि का पहले की तरह नाम रोशन किया है। इस प्रतियोगिता में कमलदीप नैन ने 5 कि.मी. पैदल चाल में गोल्ड मैडल जीता और जैवलिंग-थ्रो में प्रो. नरेन्द्र मलिक ने कांस्य पदक जीता। इसके अलावा इस प्रतियोगिता में गुजवि से डा. शशि लुथरा, सुशीला सिवाच, रामपाल, शमशेर आदि खिलाड़ियों ने भाग लिया था। गौरतलब है कि इससे पहले भी कमलदीप नैन 4 बार लगातार गोल्ड जीत चुके हैं और नरेन्द्र मलिक भी एशियन व राष्ट्रीय स्तर पर मैडल जीकर लाते रहे है। गत 21 से 25 फरवरी 2017 तक हैदराबाद में मास्टर खेल प्रतियोगिता में हरियाणा से 200 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। एशियन गेम्स के लिए कमलदीप नैन व नरेन्द्र मलिक का चयन भारतीय टीम में हो चुका है जो चीन में होंगे।

गुजवि में पुष्प उत्सव आज

हिसार, 27 फरवरी (का.प्र.): गुजवि हरियाणा स्कूल आफ बिजनैस में 28 फरवरी को चतुर्थ पुष्प उत्सव का आयोजन होगा। विवि निर्माण विभाग अधीक्षक अभियंता अशोक अहलावत ने बताया कि उत्सव आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस मेले में पुष्प सज्जा, कट फ्लावर तथा गमलों के पौधे मेले में आकर्षण का केन्द्र होंगे।

पंजाब केसरी हिसार-28/2/17

जीजेयू में पुष्प उत्सव आज

हिसार | जीजेयू में एचएसबी के प्रांगण में 28 फरवरी को पुष्प का उद्घाटन सुबह 11.00 बजे उत्सव होगा। दोपहर बाद 3.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक मेजिक शो का आयोजन होगा। पुरस्कार वितरण समारोह सायं 4.00 बजे होगा। अधीक्षक अभियन्ता अशोक अहलावत ने बताया कि मेले में कोई भी व्यक्ति, औद्योगिक इकाई, सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाएं भाग ले सकती हैं।

दैनिक भास्कर

गुजवि में मनोविज्ञान विषय की कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज. हिसार

हिसार। गुजवि में आयोजित कार्यशाला के शोधार्थियों को सम्बोधित करते प्रो. सीआर दरोलिया।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में शोधार्थियों के लिए 'स्टेटिस्टिकल एनालिसिस इन साइकॉलोजिकल रिसर्च' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में कुरुक्षेत्र विवि के साइकॉलोजी विभाग के प्रो. सी.आर. दरोलिया ने मुख्य वक्ता के तौर पर शिरकत की। जबकि अध्यक्षता विवि के साइकॉलोजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. संदीप राणा ने की।

प्रो. सी.आर. दरोलिया ने मनोविज्ञान से संबंधित शोध में स्टेटिस्टिकल की उपयोगिता का कैसे-कैसे सही तथा उपयुक्त प्रयोग करना है, के बारे में बताया। उन्होंने स्टेटिस्टिकल पैकेज फॉर सोशल साईंसिस, एक कंप्यूटर सॉफ्टवेयर की उपयोगिता को समझाया तथा कहा कि बड़े डाटा का कम से कम प्रयासों में ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाया जा सकता है।

उन्होंने मनोविज्ञानिक शोध में स्टेटिस्टिक का चुनाव करने से पहले अपने डाटा किन ऑपशंस को क्वालीफाई कर रहा है, की जानकारी होनी चाहिए। इस मौके पर डा. तरूणा आदि मौजूद थे।

हरिभूमि - 28/2/17

विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय समारोह शुरु

हिसार। जीजेयू में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय समारोह की शुरुआत सोमवार को हुई। रसायन विभाग के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. जे.बी. दहिया ने बताया कि मंगलवार को विश्वविद्यालय के सीआरएस सभागार में सुबह 10.00 बजे समारोह का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कल्पना चावला मेमोरियल साइंस क्विज में केमिस्ट्री विभाग की छात्राओं आरती व अन्नु ने प्रथम, फिजिक्स विभाग के विद्यार्थियों राहुल व रमेश ने द्वितीय तथा बायो एंड नेनो टेक्नोलॉजी विभाग की छात्राओं पूजा गर्ग और प्रेक्षा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में बायो एंड नेनो टेक्नोलॉजी विभाग की मोनिका तायल ने प्रथम तथा गणित विभाग की रेनू यादव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता में फूड टेक्नोलॉजी विभाग की प्रिया ने प्रथम तथा एकता ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

अमर उजाला - 28/2/17

प्रतियोगिता जीजेयू में निबंध लेखन, क्विज और स्लोगन राइटिंग के माध्यम से समझाया विज्ञान का महत्व

निबंध लेखन प्रतियोगिता में मोनिका अव्वल

भास्कर न्यूज | हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय समारोह की शुरुआत सोमवार को हुई। समारोह का विषय 'साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर स्पेशियली ऐबल्ड पर्सन्स' है।

पहले दिन विश्वविद्यालय के रसायन विभाग द्वारा कल्पना चावला मेमोरियल साइंस क्विज, भौतिकी विभाग द्वारा पोस्टर मेकिंग एंड प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता, बायो एंड नैनो विभाग द्वारा डेक्लेमेशन कंटेस्ट, गणित विभाग द्वारा निबंध लेखन प्रतियोगिता तथा खाद्य तकनीकी विभाग द्वारा स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के रसायन विभाग के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. जेबी दहिया ने बताया कि मंगलवार को विश्वविद्यालय के सीआरएस सभागार में सुबह 10.00 बजे समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार होंगे।

ये रहे प्रतियोगिता के परिणाम

प्रो. जेबी दहिया ने बताया कि कल्पना चावला मेमोरियल साइंस क्विज में केमिस्ट्री विभाग की छात्राओं आरती व अन्नु ने प्रथम, निबंध लेखन प्रतियोगिता में बायो एंड नैनो टेक्नोलॉजी विभाग की मोनिका तायल ने प्रथम, स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता में फूड टेक्नोलॉजी विभाग की प्रिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मंगलवार को होने वाले समारोह में विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

जीजेयू में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में शुरू हुए समारोह में आयोजित कल्पना चावला मेमोरियल साइंस क्विज प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी।

दैनिक भास्कर - 28/2/17

साइंस क्विज में आरती व अन्नू रहीं प्रथम

कल्पना चावला मेमोरियल साइंस क्विज मे भाग लेते प्रतिभागी। • जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय समारोह की शुरुआत सोमवार को हुई। समारोह का विषय साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर स्पेशियली ऐबल्ड पर्सन्स है। पहले दिन विश्वविद्यालय के रसायन विभाग द्वारा कल्पना चावला मेमोरियल साइंस क्विज, भौतिकी विभाग द्वारा पोस्टर मेकिंग एंड प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता, बायो एंड नैनो विभाग द्वारा डेक्लेमेशन कंटेस्ट, गणित विभाग द्वारा निबंध लेखन प्रतियोगिता तथा खाद्य तकनीकी विभाग द्वारा स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के रसायन विभाग के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. जेबी दहिया ने बताया कि मंगलवार को विश्वविद्यालय के सीआरएस सभागार में सुबह दस बजे समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह के मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार होंगे। प्रो. जेबी दहिया ने बताया कि कल्पना चावला मेमोरियल साइंस क्विज में केमिस्ट्री विभाग की छात्राओं आरती व अन्नु ने प्रथम, फिजिक्स विभाग के विद्यार्थियों राहुल व रमेश ने द्वितीय तथा बायो एंड नैनो टेक्नोलॉजी विभाग की छात्राओं पूजा गर्ग व प्रेक्षा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में बायो एंड नैनो टेक्नोलॉजी विभाग की मोनिका तायल ने प्रथम तथा गणित विभाग की रेनु यादव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता में फूड टेक्नोलॉजी विभाग की प्रिया ने प्रथम तथा एकता ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

दैनिक जागरण - 28/2/17

स्टेटिस्टिकल की उपयोगिता को बताया

मनोविज्ञान विभाग में आयोजित कार्यशाला में शोधार्थियों को संबोधित करते प्रो. सीआर दरोलिया। • जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में विभाग के शोधार्थियों के लिए स्टेटिस्टिकल एनालिसिस इन साइकोलॉजिकल रिसर्च विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के साइकोलॉजी विभाग के प्रो. सीआर दरोलिया थे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के साइकोलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. संदीप राणा ने की। प्रो. सीआर दरोलिया ने मनोविज्ञान से संबंधित शोध में स्टेटिस्टिकल की उपयोगिता का कैसे सही तथा उपयुक्त प्रयोग करना है, के बारे में बताया। मुख्य वक्ता ने स्टेटिस्टिकल पैकेज फॉर सोशल साइंसिज, एक कंप्यूटर सॉफ्टवेयर की उपयोगिता को समझाया तथा कहा कि बड़े डाटा का कम से कम प्रयोग में ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाया जा सकता है। मनोविज्ञानिक शोध में स्टेटिस्टिक का चुनाव करने से पहले आपको अपने डाटा की और आपका डाटा किन-किन आप्शंस को क्वालीफाई कर रहा है, की जानकारी होनी चाहिए। कार्यशाला के समापन पर प्रो. संदीप राणा ने मुख्य वक्ता को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। डा. तरूणा ने भाषण के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

कार्यशाला

- गुजवि में स्टेटिस्टिकल एनालिसिस इन साइकोलॉजिकल पर रिसर्च कार्यशाला
- बड़े डाटा का कम से कम प्रयोग करके उठाया जा सकता है ज्यादा फायदा

दैनिक जागरण - 28/2/17